ORAL ASSESMENT

G.K

1. भारत के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे?
2. पर्यावरण दिवस कब मनाया जाता है?
3. झारखण्ड के प्रथम राज्यपाल कौन थें?
4. बाल दिवस कब मनाया जाता है?
5. शिक्षक दिवस किस महान व्यक्ति के नाम पर मनाया जाता है?
6. गंगा किस पर्वत से निकली है?
7. भारत में कुल कितने राज्य है?
8. भारत का सबसे बड़ा राज्य कौन है?
9. भारत का कौन सा नदी पुलिंग है।
10. जवाहरलाल नेहरू का जन्म दिन कब मनाया जाता है?
11. भारत के किस नेता को राष्ट्रपिता कहा गया है?
12. झारखण्ड में कुल कितने जिलें है?
13. भारत का राष्ट्रीय फूल कौन है?
14. भारत का राष्ट्रीय पक्षी कौन है?
15. विवेकानंद जी का जन्म दिन कब मनाया जाता है?

Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

जल ही जीवन है

जल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह हमारे शरीर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और साथ ही प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जल के बिना हमारा जीवन संभव नहीं है। इसके बिना भूमि, पौधे, और पशु - पक्षियों का संतुलित जीवन संभव नहीं है।

जल का महत्व न केवल मानव जीवन में है बल्कि यह प्राकृतिक वातावरण के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। समुद्र, नदियाँ, झीलें, और बर्फ आदि के रूप में जल के संसाधन हमें जल की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करते हैं।

हालांकि हमें इस मूल धारणा को ध्यान में रखते हुए जल के के सही उपयोग का ध्यान रखना चाहिए। जल की बर्बादी, प्रदूषण, और अव्यवस्थित उपयोग से प्राकृतिक संतुलन पर बुरा प्रभाव पड़ता है जो हमारे और आने वाले पीढ़ियों के लिए जोखिम बन सकता है।

Pradeep Kumar
Roll no - 25
Class - 9
School - Project high School, Tangar

Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

जल ही जीवन

जल ही जीवन है। जल के बिना कोई भी प्राणी अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता। मनुष्य को पग-पग पर जल की आवश्यकता होती है। जल का उपयोग अनेक कार्यों में होता है।

हमें पीने के लिए शुद्ध जल की आवश्यकता होती है। अशुद्ध जल से पेट की अनेक बीमारियाँ फैलती है। अतिसार, डायरिया, पीलिया, हैजा तथा पेचिश जैसी बीमारियाँ अशुद्ध जल के सेवन से ही होती है। इसलिए हमें हमेशा शुद्ध जल का ही सेवन करना चाहिए। कुएँ के पानी को साफ रखने के लिए लाल दवा डालते रहना चाहिए।

तालाब और झीलों का पानी को स्वच्छ रखने के लिए उन्हें गंदगी से बचाना आवश्यक है। यदि नल से पानी टपक रहा हो तो अच्छी तरह बंद कर देना चाहिए। हमें शावर के नीचे स्नान न करके बाल्टी में पानी ले कर नहाना चाहिए। वाशबेसिन के पानी का प्रयोग करने के बाद नल ठीक से बंद कर देना चाहिए। पानी हमारा जीवन है पानी बचा रहेगा तो हमारा जीवन बचेगा।

पानी हमें बरसात से प्राप्त होता है। वर्षा ऋतु में बरसात का पानी बहकर तालाबों, झरनों, तथा नदियों में जाता है। कुछ पानी जमीन के अन्दर चला जाता है इससे भूजल का स्तर बढ़ता है। कुँओ मे पानी यहीं से आता है। इसका उपयोग हमारे देश के गाँवों की अधिकांश जनता करती है।

नाम सुरेश कुमार
वर्ग - 9
रोल० न०- 20
प्रोजेक्ट हाई स्कूल
टांगर

Principal
Bharathi College of Education,
Kandri, Mandar, Ranchi

जल ही जीवन

"जल है तो कल है" बावजूद इसके जल बेवजह बर्बाद किया जाता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जल-संकट का समाधान जल के संरक्षण से ही है। हम हमेशा से सुनते आये है "जल ही जीवन है। जल के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती, जीवन के सभी कार्यों का निष्पादन करने के लिये जल की आवश्यकता होती है। पृथ्वी पर उपलब्ध एक बहुमूल्य संसाधन है। जल, या यूं कहे कि यही सभी सजीवो के जीने का आधार है। धरती का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा है; पीने योग्य पानी की मात्र सिर्फ 3% है। इसमे भी 2% पानी ग्लेशियर है। इस प्रकार सही मायने मे मात्र 1% पानी ही मानव के उपयोग हेतु उपलब्ध है।

नगरीकरण और औद्योगिकीकरण की तीव्र गति व बढ़ता प्रदूषण तथा जनसंख्या मे लगातार वृद्धि के साथ प्रत्येक व्यक्ति के लिए पेयजल की उपलब्ध करना बड़ी चुनौती है।

Name - Anamika Kujur
Roll - 21
Class - 10
School - Project High School Tangar

Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

जल ही जीवन

एक कहावत है जल ही जीवन है। जल के बिना कोई भी प्राणी अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता है। मनुष्य को पग-पग पर जल की आवश्यकता होती है।

बिना जल और बिना ऑक्सीजन के मनुष्य जीवित नहीं रह सकता है। हमें पीने के लिए शुद्ध जल की आवश्यकता होती है। दूषित जल पीने से पेट की अनेक बीमारियाँ फैलती है। अशुद्ध जल में तरह-तरह के कीटाणु होते है जो हमारे पेट में जाकर अनेक प्रकार की बीमारियों को जन्म देते है। जैसे - अतिसार, डायरिया, पीलिया, हैजा तथा पेचिश जैसी बीमारियाँ अशुद्ध जल के सेवन से होती है।

हमें हमेशा पानी को शुद्ध करने के लिए उसे उबालकर ठंडा करना चाहिए फिर उसे किसी पतले कपड़े अथवा फिल्टर से छान लेना चाहिए। ऐसा पानी पीने से स्वास्थ्य ठीक रहता है। हमारे देश के हर क्षेत्र में पानी आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाता है। कुछ लोग नजदीक के कुओं, तालाबों तथा झरनों से पानी ले आते है। इसलिए पानी को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए। हमें हमेशा याद रखना चाहिए की "जल ही जीवन" है।

Principal
Bharathi College of Education,
Kandri, Mandar, Ranchi

NAME :- Rina Kumari
Roll.No. :- 08
Class :- 07
Project High School
Tangar

प्रियेश कुमार
कक्षा - 'जल ही जीवन है।'
क्रमांक - 12
प्रोजेक्ट हाई स्कूल हॉगा

एक कहावत है जल है तो कल है। यानी मानव के जीवन में जल बहुत जरूरी है। इसके बगैर जीना मुश्किल है। वर्तमान में जो जल की समस्याएं बढ़ती जा रही है इस पर पूर्ण रूप से ध्यान रखना पड़ेगा। पानी को संचित कर रखना होगा। जल को बिना मतलब का बर्बाद करना गुनाह है। जैसे मानव को ऑक्सीजन की जरूरत है उसी प्रकार जीने के लिए मानव को जल की जरूरत है। जल केवल पीने के लिए नहीं बल्कि हर वक्त हर चीज में जरूरत है। अगर इसे हिफाजत रखेंगे तो भविष्य में जल का संकट नहीं होगा। पर्यावरण के लुप्त होने के कारण जल भी घटता जा रहा है। इसे सुरक्षित रखना मुख्य कर्तव्य है। जल के बिना एक क्षण भी जीना मुश्किल है। इस लिए कहा जाता है कि जल है तो कल है।

Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi